समाज की सेवा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करें : राज्य मंत्री सुशील कटारा

ज्ञान सरोवर (आबू पर्वत),१० जून २०१७ । आज ज्ञान सरोवर स्थित हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज एवं आर ई आर एफ की भगिनी संस्था ,समाज सेवा प्रभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक **अखिल भारतीय सम्मेलन** का आयोजन हुआ। सम्मेलन का मुख्य विषय था -**"सदा सुखी एवं स्वस्थ समाज"** . इस सम्मलेन में बड़ी संख्या में प्रतिनिधिओं ने भाग लिया . दीप प्रज्वलित करके इस सम्मेलन का उद्घाटन सम्पन्न हुआ.

समाज सेवा प्रभाग की अध्यक्षा **रजयोगिनी संतोष दीदी** ने आज के सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए अपना आशीर्वचन इन शब्दों में दिया। आपने कहा कि सब सदा स्वस्थ रहें और सदा ख़ुशी में नाचते रहें - सभी का यही लक्ष्य रहता है। आपने बताया कि वगैर प्रेम के -जीवन बेकार है। औरों को ख़ुशी प्रदान करने से ही ख़ुशी प्राप्त होती है। आज हर कोई लेना तो चाहता है मगर देना नहीं चाहता।
लोग देवी देवताओं के दर्शन मात्र से ही प्रसन्न हो जाते हैं। क्योंकि देवी देवतायें संतुष्ट थे। जीवन में सन्तुष्टता से ही ख़ुशी प्राप्त होती है और उसी से स्वास्थ प्राप्त होता है।
मन और तन दोनों का स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए शुद्ध भोजन और शुद्ध विचार चाहिए। शुद्ध विचार आत्मिक विचार हैं। आत्मा को जान कर -उस रूप में टिक कर विचार करने से शुद्धि आती है। इससे मन स्वस्थ बन जाता है। मन की एक्सरसाइज है ध्यान। ईश्वर पर ध्यान टिका कर हर प्रकार की ख़ुशी और स्वास्थ्य पा सकेंगे।

राजस्थान सरकार के पी एच् ई डी **राज्य मंत्री सुशील कटारा** ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार प्रकट किये। आपने कहा कि ब्रह्मा कुमारीस से सम्बद्ध होकर आनंदित होता रहा हूँ। हम सभी को मन लगाकर अपने दायित्व को ईमानदारी से निभाना चाहिए।
त्याग में ही हमारा भाग्य है। मांगने की आदत ना रहे। माँगना अनुचित बात है। समाज की सेवा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करें। सभी को ख़ुशी प्रदान करें - स्वास्थ्य प्रदान करें। मैं आप सभी का हृदय से आभारी हूँ।

समाज सेवा प्रभाग के उपाध्यक्ष **रजयोगी अमीर चंद** ने इस सम्मेलन का लक्ष्य बताया और कहा कि आप सभी समाज सेवी दुनिया की पीड़ा को महसूस करते हैं और उनकी मदद के लिए आगे आते हैं। आप इसीलिए अन्य लोगों से ख़ास हैं।
आज हमारा समाज दौड़ रहा है -मगर शायद ही कभी अपने लक्ष्य तक पहुंच पायेगा। क्योंकि उसने यह जानने की कोशिश ही नहीं की है कि उसका लक्ष्य क्या है और कहाँ है ?
पैसा कमाने की धुन में आज वह बीमार हो गया है और अब उसकी बीमारी भी लाइलाज हो गयी है। सदा सुखी और स्वस्थ रहने और समाज को भी ऐसा ही बनाने के लिए उसको अपनी पहचान करनी होगी और उसके अनुरूप ही जीवन का संचालन करना होगा। उसे यह देखना होगा कि उसकी सोच के अनुरूप उसका जीवन बना है या नहीं ?

समाज सेवी **सानुभाई कार्की** , नेपाल , ने आज के अवसर पर अपने उदगार रखे। कहा समर्पित , उत्तरदायी ,ऊर्जावान लोग ही समाज की सेवा कर सकते हैं। समाज सेविओं को अपने विज़न के अनुरूप आगे बढ़ते रहना चाहिए। विज़न बड़ा हो ,महान हो , ये जरूरी है।

विकाश खोलिया , अनुसूचित जाति आयोग राजस्थान के उपाध्यक्ष , ने विशेष अतिथिति के रूप में अपना उद्बोधन रखा। कहा कि सभी चाहते हैं की सभी स्वस्थ और सुखी रहे - समाज भी स्वस्थ और सुखी रहे। मगर यह कैसे संभव होगा ?
इन्ही बातों को हम सभी आने वाले ३ दिनों में समझेंगे और उसके अनुरूप जीवन बनाएंगे। आध्यात्म और राजयोग का अभ्यास ही जीवन को सुखी और शांत बना सकेगा।

समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ,**राजयोगी प्रेम भाई** ने पधारे हुए सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। आपने कहा कि यह आध्यात्मिक संस्थान वैराग्य से ज्यादा सौभाग्य प्रदान करने वाला है। यहां -ज्ञान सरोवर में विगत २२ वर्षों से लगातार आध्यात्मिक ऊर्जा का तीव्र सम्प्रेषण जारी है। उसको महसूस करिये और जीवन में धारण करिये।

समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक **ब्रह्मा कुमार अवतार** ने अतिथियों का आभार प्रकट किया और उनको धन्यवाद दिया। **ब्रह्माकुमारी वंदना** बहन ने मंच संचालन किया। (रपट **बी के गिरीश** , ज्ञान सरोवर , मीडिया)

socialwing@bkivv.org

--
9414330800